प्रश्न- बिस्मार्क अपनी विदेश नीति में कितना सफल रहा तथा उसकी विफलता के क्या कारण थे?
(200 शब्द)

मॉडल उत्तर

भूमिका में निम्न बातों को शामिल करें-

- बिस्मार्क की विदेश नीति की प्रमुख विशेषता उसकी जटिलता को बतायें तथा इसकी विदेश नीति का प्रभाव यूरोपीय राजनीति पर प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप में 19वीं सदी के उत्तरार्द्ध से लेकर 20वीं सदी के पूर्वार्द्ध तक बना रहा।
- **प्रथम पैरा में-**
  - ⇨ **भूमिका से लिंक बनाते हुए बिस्मार्क की विदेश नीति की मुख्य बिंदुओं पर चर्चा करें-**
    - फ्रेंकफर्ट की संधि की भूमिका।
    - मुख्य उद्देश्य फ्रांस को अलग-अलग करना रहा तथा शक्ति संतुलन पर बल और युद्ध रोकने का एक कारगर विकल्प शक्ति संतुलन को बनाया।
    - 1878 में बर्लिन कांग्रेस में भूमिका, बाल्कन समस्या पर चर्चा।
    - बिस्मार्क के प्रयास से फ्रांस यूरोपीय राजनीति में अलग-थलग रहा तथा यूरोप बाल्कन क्षेत्र में निरंतर तनाव के बावजूद भी युद्ध की स्थिति से बचा रहा।
- **द्वितीय पैरा में-**
  - ⇨ **विफलता के बिन्दु पर चर्चा करें-**
    - नए क्षेत्र विस्तार न करने की नीति अपना योग्य तथा सक्षम उत्तराधिकारी विकसित नहीं किया।
    - जर्मनी को एक संतुलन राष्ट्र मानना तथा निवेश में दिलचस्पी न लेना इसकी भूल थी जिससे रूस, फ्रांस के निकट आया। (फ्रांस ने रूस में निवेश किया)
    - बिस्मार्क जर्मनी को यूरोपीय सीमा में बांधकर रखना चाहता था जबकि एकीकृत जर्मनी विभिन्न वर्गों समूहों तथा आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता था।

निष्कर्ष (संक्षिप्त व संतुलित दें)